हर हर शंकर ॐ जय जय शंकर

श्री-वेदव्यासाय नमः

श्रीमद्-आद्य-शंकर-भगवत्पाद-परंपरागत-मूलाम्नाय-सर्वज्ञ-पीठं श्री-कांची-कामकोटि-पीठं जगद्गुरु-श्री-शंकराचार्य-स्वामि-श्रीमठ-संस्थानम्

श्रीमठीय-पंचांग-सदः वेद-धर्म-शास्त्र-परिपालन-सभा च

॥ विश्वावसु-कुंभ-फाल्गुन-पूर्णिमा – चंद्र-ग्रहणम्॥

राहु-पुच्छ-("केतु"-)ग्रस्तम्। 3-मार्च्-2026।

वेद-धर्म-शास्त्र-परिपालन-सभा

9884655618 8072613857 vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

ग्रहण-समयाः कार्यक्रमश्च । मार्च् ३

ग्रहण-स्पर्शः (भारताद् अन्यत्र दृश्यः)	15:20	(पूर्णिमा-तिथौ)
ग्रहण-मोक्षः	18:47	(प्रथमा-तिथौ)

चंद्रोदयः	17:13 प्रभृति *	आरंभ-स्नानम् (👉 संकल्पः), तर्पणम् (👉 संकल्पः), जपः
उन्मीलनम्	17:33	(चंद्रोदयात् परं) दानम् (👉 संकल्पः)
मोक्षः	18:47	मोक्ष-स्नानम् (👉 संकल्पः)

* =
👉 स्थल-समय-पट्टिका

पीडितानि नक्षत्राणि				
पूर्व-फल्गुनी*, मघा, उत्तर-फल्गुनी, पूर्वाषाढा, अपभरणी				
पीडिताः राशयः				
अधिकम्	सिंहः*	कन्या	मकरः	वृषभः
मध्यमम्	धनुः	कुंभः	मेषः	कर्कटः

(* = ग्रहणकालिकम्)

👉 शांति-श्लोकाः

एषां राशीनां शुभ-फलम् – तुला, वृश्चिकः, मीनः, मिथुनम्।

Contributors

Guidance: Brahmashri Sundararama Vajapeyi; **Compilation:** Brahmashri Shriramana Sharma; **Typesetting:** Prof Karthik Raman; **Technical as-**

वेद-धर्म-शास्त्र-परिपालन-सभा

9884655618 8072613857 vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

sistance: Smt Vidya Jayaraman; **Reference assistance:** Chi Nidhishvara Shrauti

Translations – English: Brahmashri Dr T Vasudevan, Telugu: Brahmashri Thanjavur Venkatesan, Malayalam: Vidvan Vasudevan Nambudiri, Kannada: Dr Ramprasad, Hindi: Kum Vanchitha Bharanidharan

इस ग्रहण के लिए सूचनाएं

आहार नियम

- ग्रहण की पहली (सोमवार) रात भोजन कर सकते हैं। ग्रहण के दिन (मंगलवार) उषःकाल से भी आहार नहीं है।
- अगर पूरा दिन उपवास नहीं कर सकते है तो जितना शीघ्र हो सकता है सुबह ही खिचडी जैसे अल्पाहार खा सकते हैं। वो भी ग्रहण के पहले याम (लगभग २ ~ ३ बजे के बाद) न कर सकते हैं। ग्रहण के दौरान निश्चित रूप से कुछ भी नहीं।
- मोक्ष स्नान के बाद ही पकाकर आहार ले सकते हैं।

अनुष्ठान

- ग्रहण काल बहुत कम होने के कारण नीचे दिये हुए क्रम का अनुसरण करें।
- सूर्यास्त के पहले सन्ध्या अर्घ्य प्रदान। सूर्यास्त के (इस बार) लगभग ६ मिनट बाद आनेवाले चंद्रोदय के अंदर सन्ध्या जाप, उपस्थान, एवं सन्ध्यावन्दन की पूर्ति करें।
- चंद्रोदय होते ही ग्रहण आरम्भ स्नान करें, फिर ग्रहण श्राद्ध/तर्पण, और दान। समय अनुसार विशेष जाप करें। ग्रहण मोक्ष के बाद मोक्ष स्नान, फिर अनुष्ठान और अन्य कार्यों को करें।
- अपने अपने जगह में उपलब्ध ग्रहण पुण्य काल के अनुसार जह साध्य वह करना। कम से कम ग्रहण स्नान करना।

- पूर्णिमा के दिन करने वाले सांवत्सरिकादि श्राद्ध को अगले दिन करनी चाहिए।

सटीक अनुष्ठान अवधि

- कई पंचांगों में एवं माध्यमों में ऐसी वार्ता आई है कि अपराह्न ३ बजे के बाद ग्रहण प्रारंभ है। लेकिन उस समय भारत में चंद्र का उदय नहीं हुआ होगा। इसलिए उस समय ग्रहण अनुष्ठान नहीं कर सकते।
- पुण्य काल केवल अपने अपने जगह के चंद्रोदय से सार्वत्रिक ग्रहण पूर्ति १८:४७ तक है।
- जिन जगहों में ग्रहण समाप्ति के बाद चंद्रोदय हो वहां ग्रहण पुण्य काल या उपरोक्त किसी प्रकार ग्रहण नियम/अनुष्ठान नहीं है।

भारत में दिखाई देनेवाले अगले ग्रहणों

- अगला सूर्य ग्रहण दो साल बाद प्लवंग वत्सर कटक आषाढ अमावास्या (२०२७ अगस्त ०२) को होगा।
- अगला चंद्र ग्रहण तीन साल बाद कीलक वत्सर मिथुन आषाढ पूर्णिमा (२०२८ जुलै ०६) को होगा।

☞ प्रयोगः

सारे ग्रहण के लिए सामान्य सूचनाएँ

ज्यौतिष विवरण

- पृथ्वी की छाया जब चंद्र पर पड़े उसी को हम चंद्र ग्रहण कहते हैं। इसलिए हमारे जगह के हिसाब से चंद्र ग्रहण के प्रारंभ और समाप्ति की समय नहीं बदलेगी।
- लेकिन सूर्य ग्रहण में चंद्र की छाया भूमि पर पड़ती है। जैसे-जैसे यह छाया भूमि पर गुज़र्ती जाती है, सूर्य ग्रहण प्रारंभ और समाप्ति की समय अलग-अलग जगह में अलग-अलग होती है।

- अमावास्या-प्रथमा या पूर्णिमा-प्रथमा सन्धि को पर्व कहते हैं।
- पूरी पृथ्वी को ध्यान में रखते हुए, सूर्य ग्रहण इस पर्व के पहले अमावास्या में एक जगह में प्रारंभ होकर उस के बाद प्रथमा में और एक जगह में समाप्त होती है। परन्तु विशिष्ट शहरों के विषय अलग है। सुबह होनेवाली ग्रहण अमावास्य के अंदर हि प्रथमा के पहले समाप्त हो सकती है। और शाम को होनेवाली ग्रहण अमावास्या के बाद प्रथमा में प्रारंभ हो सकती है।
- लेकिन चंद्र ग्रहण में तो पूरी पृथ्वी को एक ही प्रारंभ और समाप्ति की समय होती है, इसलिए हमेशा पर्व के पहले प्रारंभ होकर पर्व के बाद समाप्त होती है।
- ग्रस्त उदय के विषय में, हमारे शहर में सूर्य या चंद्र की उदय से पहले ही ग्रहण प्रारंभ हो जाती है। लेकिन यह स्पष्ट है कि ग्रहण हमें उदय से ही दिखाई देगी।
- ग्रस्त अस्तमय के विषय में, हमारे शहर में सूर्य या चंद्र की अस्तमय के बाद ग्रहण समाप्त हो जाएगी। लेकिन यह स्पष्ट है कि ग्रहण हमें अस्तमान तक ही दिखाई देगी।
- चंद्र ग्रहण के विषय में, पृथ्वी की उपच्छाया (जहाँ सूर्य के सिर्फ एक भाग अदृश्य होगी) के कारण हमारी आँखों के लिए प्रत्यक्ष रूप में रंग बदली हुई नहीं दिखती। इसलिए तब अनुष्ठान नहीं है।

भोजन नियम

- सूर्य ग्रहण के पहले चार याम (≈१२ घंटे) और चन्द्र ग्रहण के पहले तीन याम (≈९ घंटे) आहार नहीं करना चाहिए।
- सूर्य ग्रस्तोदय की पहली रात और चंद्र ग्रस्तोदय की पहली दिन में भोजन न करें।
- सूर्य ग्रस्तास्तमय की अगली रात और चंद्र ग्रस्तास्तमय की अगली दिन में भी भोजन न करें।

- छोटे बच्चें (≈७ साल), बूढ़ें लोगों (≈७० साल) और बीमारों को ये नियम नहीं है। अगर पूरा भूखे नहीं रह सकते तो, फल और दूध जैसे लघु आहार कर सकतेहैं वो भी ग्रहण के एक याम (≈३ घंटे) पहलेले लें।

- किसी भी स्थिति में ग्रहण की समय में आहार नहीं ले सकते हैं।

- यह सब नियम शिशुओं का स्तन्य पान से नहीं संबंधित है। बच्चा के उम्मर के अनुसार कर सकते हैं।

- पानी, कच्ची चीज़ें (जो उबालके पका नहीं) - इनके शुद्धि के लिए इनमें दर्भ के टुकडें डालने का रिवाज़ है। इन चीजों को ग्रहण के बाद खा सकते हैं। लेकिन ग्रहण के पहले पकाए हुए (उबालके पके हुए) चीज़ों को ग्रहण के बाद नहीं खा सकते।

अनुष्ठान की आरंभ

- ग्रहण आरंभ होने के पहले ही बदलने के कपड़े, अनुष्ठान के लिए आवश्यक आसन, तीर्थ पात्र आदि को तैयार रखें। तर्पण करने वाले लोग उसके लिए आवश्यक तिल, कूर्च, दर्भ, तर्पणकरने के लिए पुस्तकें पहले से निकालकर रखें।

- ग्रहण आरंभ होने के बाद, पहने हुए वस्त्र के साथ ही स्नान करना चाहिए। तर्पण के लिए जल ही लेकर रखें। पहले ही तैयार रखे हुए वस्त्र को पहनें।

ग्रहण आशौच

- ग्रहण की समाप्ति के बाद स्नान करने तक, ग्रहण के लिए आवश्यक वस्तुओं के अलावा बाकी वस्तुओं विशेष रूप से बिस्तर, चटाई, कपड़ें आदि को नहीं छूना। छुए हुए वस्तुओं को ग्रहण के बाद धोकर ही उपयोग करें। इस नियम को ग्रहण आशौच कहते हैं।

- बाकी आशौच अनुष्ठान करने वाले मतलब जन्म या निधन के आशौच अनुष्ठान करने वाले भी ग्रहण के समय में शुद्ध हो जाते हैं। इसी लिए वो लोग भी यथा

विधि अनुष्ठान करें। रजस्वला भी अलग जल से ग्रहण का स्नान करना चाहिए।

ग्रहण श्राद्ध

- ग्रहण के समय में पूर्वजों को श्राद्ध / तर्पण करना चाहिए। रात में आनेवाले चन्द्र ग्रहण में भी ये नियम है।
- सूर्य ग्रहण के विषय में यदि अमावास्य उसी दिन आति है जिस् दिन श्राद्ध/तर्पण होता है तो, दो राय हैं।
- कई ग्रन्थों में कहा है कि अमावास्य की श्राद्ध के जैसे ही यहाँ भी स्त्री वर्ग को पति के साथ ही तृप्ति करनी है, कोई अलग वरण नहीं है। ऐसे में सिर्फ़ ग्रहण श्राद्ध करना चाहिए।
- एक संप्रदाय में ग्रहण श्राद्ध में स्त्री वर्ग को अलग से वरण करने को कहा है (अमावास्या की श्राद्ध में नहीं)। ऐसे में ग्रहण श्राद्ध और अमावास्य श्राद्ध दोनों अलग-अलग करना चाहिए।
- अपने संप्रदाय के हिसाब से लोग श्राद्ध नियम भी निर्णय करें।
- कृष्ण पक्ष में, अर्थात् सूर्य ग्रहण में अमावस्या तिथि समाप्ति से पहले एवं चंद्र ग्रहण में पूर्णिमा तिथि समाप्ति से बाद, ग्रहण श्राद्ध करने का आचार है। ऐसा संभवतः इसलिए है क्योंकि कृष्ण पक्ष पितृओं से जुड़ा है। लेकिन यह साध्य नहीं होगा जब अपने जगह में अमावास्या तिथि के बाद सूर्य ग्रहण शुरू होता है (पिछला "ज्यौतिष विवरण" अनुभाग देखें)। वैसे ही ग्रहण के दौरान उदय या अस्त होने पर कृष्ण पक्ष के अंतर्गत ग्रहण यदि (पर्याप्त रूप से) दृश्य नहीं हो तो भी यह असाध्य हो सकता है। इसलिए, उपलब्ध समय के अनुसार करना चाहिए।
- जह प्रत्याब्दिक श्राद्ध ग्रहण के दिन प्राप्त होता है उस को दूसरे दिन करना पड सकता है। इस विषय का विवरण पंचांगों में एवं यहां दिए गए “इस ग्रहण के लिए सूचनाएं” अनुच्छेद में होगा।

पुण्य काल में क्या करें और क्या न करें

- ग्रहण के समय में अनावश्य काम छोड़ें।
- सन्ध्या काल में अगर ग्रहण हुआ तो भी सन्ध्यावन्दन ग्रहण काल के अंदर ही करना आवश्यक है। सूर्योदय या सूर्यास्त से पहले अर्ग्य दें और उसके बाद जप करना चाहिए।
- ग्रहण के समय में किया गया जप का बहुगुणा फल मिलता है। मन्त्रोपदेश के लिए भी इस समय को उचित माना जाता है।
- ग्रहण के समय में सोना और मल-मूत्र विसर्जन नहीं करना है। इसी लिए ग्रहण के पहले ही मल-मूत्र विसर्जन करें।
- ग्रहण काल में किया हुआ दान का अधिक महत्व है। इसलिए जितना होगा, उतना दान करना चाहिए।
- ग्रहण काल में सारे जल स्नान एवं अनुष्ठान के लिए गंगा समान है। सारे वैदिक जन दान लेने के लिए ब्रह्मा समान है। सारे दान भू दान समान है। सारे जगह कुरुक्षेत्र समान है। अतः जो भी जगह में हो, स्नान दान और जप अवश्य करना चाहिए।
- अष्ट दिक्पालकों से भी ग्रहण दोष निवृत्ति के लिए प्रार्थना करने वाले स्तोत्र का जाप करना चाहिए। (यह स्तोत्र नीचे दिये गये है।)
- अगर ग्रहण काल बहुत कम है तो जितना होगा उतना करना चाहिए। कम से कम संक्षेप संकल्प के साथ आरंभ स्नान कर दान के लिए कुछ द्रव्य रखना चाहिए। ग्रहण श्राद्ध/तर्पण के लिए कम से कम संकल्प पुण्य काल के भीतर किया जाता है तो शेष पुण्य काल समाप्त होने के बाद भी शीघ्र ही कर सकते हैं।
- ग्रहण को नंगी आँखो से नहीं देखना चाहिए। वस्त्र, तेल, जल या आइना में उसके प्रतिबिंब को देखें।

- गर्भिणी स्त्रीयों को ग्रहण के समय में सूर्यचन्द्रों के किरणों से बचकर रहना चाहिए। इसी लिए वे ग्रहण को ऊपर बताये अनुसार भी नहीं देख सकते हैं। गर्भ के रक्षा के लिए भगवन्नाम जप करें और स्तोत्र पढ़ें।

- ग्रहण के मुक्ति के बाद पहने हुए वस्त्र के साथ मोक्ष स्नान करें। ये स्नान बहुत आवश्यक है। अगर स्नान नहीं किया ग्रहण आशौच अगले ग्रहण तक नहीं छूटेगा।

- ग्रस्तास्तमय के विषय में भी, शास्त्र के अनुसार ज्ञात मोक्ष काल के बाद ही मोक्ष स्नान करें। उसके बाद ही औपासन आदि स्मार्त अनुष्ठानों या सायन्दोह आदि श्रौत अनुष्ठानों को कर सकते हैं।

ग्रहण शांति/परिहार

- जिस राशि/नक्षत्र में ग्रहण हो रहा है, उस में जन्म लेनेवाले अगर सकते हैं तो अगला दिन होम रूप का शांति कर सकते हैं।

- जन्म राशि से ३, ६, १०, ११वां राशियों में होनेवाला ग्रहण शुभ फल देता है। २, ५, ७, ९वां राशियों मे होने पर कुछ अशुभ फल देता है। १, ४, ८, १२वां राशियों में होने पर ज़्यादा अशुभ फल देता है।

- इसको ही ग्रहण राशि से कहने में -- ११, ८, ४, ३वां राशियों को शुभ फल। १२, ९, ७, ५वां राशियों को कुछ अशुभ फल। १, १०, ६, २वां राशियों को ज़्यादा अशुभ फल।

- जिस नक्षत्र में ग्रहण हो, वह, उसके पहले और अगले नक्षत्रों, उस से १०वां (अनुजन्म) एवं १९वां (त्रिजन्म) नक्षत्रों भी ग्रहण से अशुभ फल लेते है।

- इसका मतलब है कि इन अशुभ फल लेनेवाले राशि/नक्षत्रों में जन्म लिए हुए लोगों को अपने पूर्व कर्मों के वजह से आनेवाले श्रम को सूचित करता है। इसी लिए उनको ज़्यादा प्रयत्न के साथ ऊपर ग्रहण अनुष्ठानों एवं परिहार को करना चाहिए।

- ग्रहण परिहार के लघु पाठ नीचे दिया गया है।

पुण्य काल निर्णय

- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहण के प्रारंभ से समाप्ति तक पुण्य काल है। अगर बादलों के वजह से सूर्य-चंद्र को देख नहीं सके तो भी।

- ग्रस्तोदय विषय में सूर्य या चंद्र की उदय के बाद ही पुण्य काल। ग्रस्तास्तमय विषय में सूर्य या चंद्र की अस्तमय तक ही पुण्य काल। अर्थात् पुण्यकाल वही है जब हमारे आँखो को ग्रहण दिखाई देती है।

- ग्रस्तास्तमय के विषय में, पुण्य काल समाप्त होने के बाद भी पहले से प्रारम्भ किया गया सन्ध्या जप को मोक्ष काल तक जारी रखें।

- ग्रहण तर्पण को कृष्णपक्ष में करने का भी एक रीति है। लेखिन जैसे ही उल्लेख किया गया है कि अमावास्य के पूरा होने के बाद सूर्य ग्रहण प्रारंभ होने की संभावना है, और चंद्र के ग्रस्तास्तमय के विषय में, इसे हमेशा साध्य कहा नहीं जा सकता है। लेखिन ग्रहण होने के कारण अनुष्ठान करना आवश्यक है। इसलिए कृष्णपक्ष नहीं है तो भी अनुष्ठान करें।

- रविवार में सूर्यग्रहण या सोमवार में चंद्र ग्रहण (सोमवार के सूर्यास्त और मंगलवार के सूर्योदय के बीच में) हुआ तो उसे चूडामणि ग्रहण के नाम से जाना जाता है। यह पुण्य काल अतुलनीय फल देता है।

- यहाँ दिया गया उदय/अस्त का समय हमारे संप्रदाय के अनुसार गणित है। यह अपवर्तन पर विचार नहीं करता है, जो क्षितिज के पास हवा द्वारा प्रकाश को झुकाता है। क्योंकि इसका आकार या माप पूर्वनिर्धारित नहीं हैं। आधुनिक संस्करण में मोटे तौर पर अपवर्तन को गिनके उदय का समय कुछ मिनट पहले और अस्त का समय कुछ मिनट बाद दिखाते हैं। लेखिन अनुष्ठान के लिए, साम्प्रदायिक रूप के गणित समय को ही लें।

॥ ग्रहण-आरंभ-स्नान-संकल्पः ॥

आचमनम्। शुक्लांबरधरं + शांतये। प्राणायामः।

॥ स्वल्पकाल-ग्रहणे लघु-संकल्पः ॥

ममोपात्त-समस्त-दुरित-क्षय-द्वारा श्रीपरमेश्वर-प्रीत्यर्थं भारत-वर्षे भरत-खंडे
(_____-नद्याः _____ तीरे / _____-पुण्य-तीर्थे)
विश्वावसु-नाम-संवत्सरे **उत्तरायणे शिशिर**-ऋतौ **कुंभ-फाल्गुन**-मासे **कृष्ण**-पक्षे **प्रथमायां** शुभतिथौ **भौम**वासरयुक्तायां **पूर्वफल्गुनी**-नक्षत्रयुक्तायां **धृति**-योगयुक्तायां **बालव**-करणयुक्तायाम् एवं-गुण-विशेषण-विशिष्टायाम् अस्यां **प्रथमायां** शुभतिथौ - चंद्र-ग्रहण-पुण्य-काले ग्रहण-आरंभ-स्नानम् अहं करिष्ये।

॥ दीर्घकाल-ग्रहणे महा-संकल्पः ॥

तदेव लग्नं सुदिनं तदेव ताराबलं चंद्रबलं तदेव।
विद्याबलं दैवबलं तदेव लक्ष्मीपतेरंघ्रियुगं स्मरामि॥

अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थागतोऽपि वा।
यः स्मरेत्पुंडरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः॥

मानसं वाचिकं पापं कर्मणा समुपार्जितम्।
श्रीरामः स्मरणेनैव व्यपोहति न संशयः॥
श्रीराम राम राम।

तिथिर्विष्णुस्तथा वारो नक्षत्रं विष्णुरेव च।
योगश्च करणं चैव सर्वं विष्णुमयं जगत्॥
श्रीहरे गोविंद गोविंद गोविंद।

ममोपात्त-समस्त-दुरित-क्षय-द्वारा श्रीपरमेश्वर-प्रीत्यर्थम्,
श्री-भगवतः विष्णोः नारायणस्य अचिंत्यया अपरिमितया शक्त्या भ्रियमाणस्य महाजलौघस्य मध्ये परिभ्रमताम् **अनेककोटिब्रह्मांडानाम् एकतमे** पृथिवी-अप्-तेजो-वायु-आकाश-अहंकार-महद्-अव्यक्तैः आवरणैः आवृते अस्मिन् महति ब्रह्मांड-करंड-मध्ये चतुर्दश-भुवन-अंतर्गते भू-मंडले जंबू-प्लक्ष-शाक-शाल्मलि-कुश-क्रौंच-पुष्कराख्य-सप्त-द्वीप-मध्ये **जंबू-द्वीपे** भारत-किंपुरुष-हरि-इलावृत-रम्यक-हिरण्मय-कुरु-भद्राश्व-केतुमालाख्य-नव-वर्ष-मध्ये **भारत-वर्षे**

इंद्र-चेरु-ताम्र-गभस्ति-नाग-सौम्य-गंधर्व-चारण-भरताख्य-नव-खंड-मध्ये **भरत-खंडे** सुमेरु-निषद-हेमकूट-हिमाचल-माल्यवत्-पारियात्रक-गंधमादन-कैलास-विंध्याचलादि-**अनेकपुण्यशैलानां मध्ये** दंडकारण्य-चंपकारण्य-विंध्यारण्य-वीक्षारण्य-श्वेतारण्य-वेदारण्यादि-**अनेकपुण्यारण्यानां मध्ये** कर्मभूमौ रामसेतु-केदारयोः मध्ये भागीरथी-यमुना-नर्मदा-त्रिवेणी-मलापहारिणी-गौतमी-कृष्णवेणी-तुंगभद्रा-कावेर्यादि-**अनेकपुण्यनदी-विराजिते** इंद्रप्रस्थ-यमप्रस्थ-अवंतिकापुरी-हस्तिनापुरी-अयोध्यापुरी-द्वारका-मथुरापुरी-मायापुरी-काशीपुरी-कांचीपुर्यादि-**अनेकपुण्यपुरी-विराजिते** –

सकल-जगत्-स्त्रष्टुः परार्धद्वय-जीविनः **ब्रह्मणः द्वितीय-परार्धे** पंचाशद्-अब्दादौ प्रथमे वर्षे प्रथमे मासे प्रथमे पक्षे प्रथमे दिवसे अह्नि द्वितीये यामे तृतीये मुहूर्ते स्वायंभुव-स्वारोचिष-उत्तम-तामस-रैवत-चाक्षुषाख्येषु षट्सु मनुषु अतीतेषु सप्तमे **वैवस्वत-मन्वंतरे** अष्टाविंशतितमे कलियुगे प्रथमे पादे अस्मिन् वर्तमाने व्यावहारिकाणां प्रभवादीनां षष्ट्याः संवत्सराणां मध्ये

विश्वावसु-नाम-संवत्सरे **उत्तरायणे शिशिर**-ऋतौ **कुंभ-फाल्गुन**-मासे **कृष्ण**-पक्षे **प्रथमायां** शुभतिथौ **भौम**वासरयुक्तायां **पूर्वफल्गुनी**-नक्षत्रयुक्तायां **धृति**-योगयुक्तायां **बालव**-करणयुक्तायाम् एवं-गुण-विशेषण-विशिष्टायाम् अस्यां **प्रथमायां** शुभतिथौ –

अनादि-अविद्या-वासनया प्रवर्तमाने अस्मिन् महति संसारचक्रे विचित्राभिः कर्मगतिभिः विचित्रासु योनिषु पुनःपुनः अनेकधा जनित्वा केनापि पुण्यकर्म-विशेषेण इदानींतन-मानुष-द्विजजन्म-विशेषं प्राप्तवतः मम –

जन्माभ्यासात् जन्मप्रभृति एतत्-क्षण-पर्यंतं बाल्ये कौमारे यौवने मध्यमे वयसि वार्धके च जागृत्-स्वप्न-सुषुप्ति-अवस्थासु मनो-वाक्-कायाख्य-त्रिकरणचेष्टया कर्मेंद्रिय-ज्ञानेंद्रिय-व्यापारैः संभावितानाम् इह जन्मनि जन्मांतरे च ज्ञानाज्ञान-कृतानां महापातकानां महापातक-अनुमंतृत्वादीनां समपातकानाम् उपपातकानां मलिनीकरणानां गर्ह्यधन-आदान-उपजीवनादीनाम् अपात्रीकरणानां जातिभ्रंश-कराणां विहितकर्मत्याग-निंदितसमाचरणादीनां ज्ञानतः सकृत् कृतानाम् अज्ञानतः असकृत् कृतानां सर्वेषां पापानां सद्यः अपनोदनार्थं –

महागणपत्यादि-समस्त-वैदिक-देवता-सन्निधौ (_____-नद्याः पूर्वे / दक्षिणे /

पश्चिमे / उत्तरे तीरे / _____-पुण्य-तीर्थे) चंद्र-ग्रहण-पुण्य-काले ग्रहण-आरंभ-स्नानम् अहं करिष्ये। (अप उपस्पृश्य।)

गंगा गंगेति यो ब्रूयाद्योजनानां शतैरपि।
मुच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति॥

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिंधु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥

अतिक्रूर महाकाय कल्पांतदहनोपम।
भैरवाय नमस्तुभ्यम् अनुज्ञां दातुम् अर्हसि॥

(प्रोक्षण-मंत्राः/स्नान-मंत्राः)

(स्नात्वा वस्त्रं धृत्वा कुलाचारवत् पुंड्रधारणं च कृत्वा आचम्य जपं कुर्यात्।)

॥ तर्पण-संकल्पः ॥

अपवित्रः पवित्रो वा + पुण्यतिथौ
(प्राचीनावीती) गोत्राणाम् + पुण्यतिथौ
चंद्र-ग्रहण-पुण्य-काले वर्गद्वय-पितॄन् उद्दिश्य तिल-तर्पणं करिष्ये।

॥ ग्रहण-परिहारः ॥

पीडितानि नक्षत्राणि				
पूर्व-फल्गुनी*, मघा, उत्तर-फल्गुनी, पूर्वाषाढा, अपभरणी				
पीडिताः राशयः				
अधिकम्	सिंहः*	कन्या	मकरः	वृषभः
मध्यमम्	धनुः	कुंभः	मेषः	कर्कटः

(* = ग्रहणकालिकम्)

इंद्रोऽनलो दंडधरश्च रक्षः प्राचेतसो वायु-कुबेर-शर्वाः।
मज्जन्म-ऋक्षे मम राशि-संस्थे चंद्रोपरागं शमयंतु सर्वे॥

जिन का जन्म पहले बताये राशि/नक्षत्रों में हुआ है उनको परिहार कर लेना चाहिए।
ऊपर दिए गये श्लोक को एक गत्ते पर या ताड़ के पत्ते पर लिखकर ग्रहणकाल में यथाशक्ति जप करके माथे पर बांध लेना चाहिए।
चंद्र के ग्रहण। धान की खेत चंद्र प्रीतिकर है।
इसलिए ग्रहण पूरा होने के बाद श्लोक लिखा हुआ कार्ड या पत्ते के साथ ऊपर बताये हुए धान्यों, नारियल, फल, पान, सुपारी और दक्षिणा को उसी दिन या अगले दिन दान करना चाहिए।
नीचे दिये आठ श्लोकों को यथाशक्ति पारायण करें।

॥ परिहार-स्तोत्रम् ॥

योऽसौ वज्रधरो देवः आदित्यानां प्रभुर्मतः।
सहस्रनयनः शक्रः ग्रहपीडां व्यपोहतु॥ १॥

मुखं यः सर्वदेवानां सप्तार्चिरमितद्युतिः।
चंद्रसूर्योपरागोत्थाम् अग्निः पीडां व्यपोहतु॥ २॥

यः कर्मसाक्षी लोकानां यमो महिषवाहनः।
चंद्रसूर्योपरागोत्थां ग्रहपीडां व्यपोहतु॥ ३॥

रक्षोगणाधिपः साक्षात् प्रलयानलसन्निभः।
उग्रः करालो निर्ऋतिः ग्रहपीडां व्यपोहतु॥ ४॥

नागपाशधरो देवः सदा मकरवाहनः।
वरुणो जललोकेशो ग्रहपीडां व्यपोहतु॥ ५॥

यः प्राणरूपो लोकानां वायुः कृष्णमृगप्रियः।
चंद्रसूर्योपरागोत्थां ग्रहपीडां व्यपोहतु॥ ६॥

योऽसौ निधिपतिर्देवः खड्गशूलधरो वरः।
चंद्रसूर्योपरागोत्थं कलुषं मे व्यपोहतु॥ ७॥

योऽसौ शूलधरो रुद्रः शंकरो वृषवाहनः।
चंद्रसूर्योपरागोत्थं दोषं नाशयतु द्रुतम्॥ ८॥

॥ दान-संकल्पः ॥

ममोपात्त + प्रीत्यर्थं _____गोत्रोद्भवस्य / गोत्रोद्भवायाः _____नक्षत्रे _____राशौ जातस्य / जातायाः _____-शर्मणः/-नाम्नः/-नाम्न्याः चंद्र-ग्रहण-कालिक-राशि-नक्षत्रादि-सूचिततया संभावितस्य सर्वविधस्य अनिष्टस्य परिहारार्थं यथाशक्ति हिरण्यदानं करिष्ये।

हिरण्यगर्भ-गर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।
अनंत-पुण्य-फलदम् अतः शांतिं प्रयच्छ मे॥

_____गोत्रोद्भवस्य / गोत्रोद्भवायाः _____नक्षत्रे _____राशौ जातस्य / जातायाः _____-शर्मणः/-नाम्नः/-नाम्न्याः चंद्र-ग्रहण-कालिक-राशि-नक्षत्रादि-सूचिततया संभावितस्य सर्वविधस्य अनिष्टस्य परिहारार्थम् इदं हिरण्यं सदक्षिणाकं सतांबूलं ब्राह्मणाय – तुभ्यम् / मनसा उद्दिष्टाय / यस्मै कस्मै चिद् – अहं संप्रददे न मम॥

॥ मोक्ष-स्नान-संकल्पः ॥

ममोपात्त-समस्त-दुरित-क्षय-द्वारा श्रीपरमेश्वर-प्रीत्यर्थं चंद्र-ग्रहण-मोक्ष-स्नानं करिष्ये।

अलग-अलग जगहों के लिए ग्रहण का समय

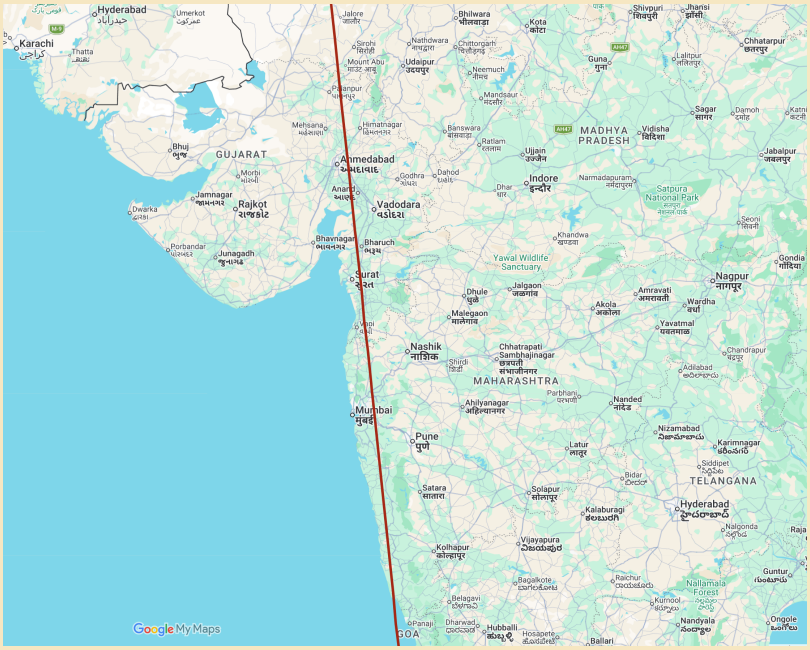

ऊपर दिया गया मैप उन जगहों को दिखाता है जहाँ ग्रहण दिख रहा है और कहाँ नहीं। लाइन के पूरब (दाएँ) की जगहों पर ग्रहण दिख रहा है। लाइन के पश्चिम (बाएँ) की जगहों पर यह नहीं दिख रहा है।

अधिक जानकारी के लिए गूगल मैप: (👉 यहाँ क्लिक करें)

आप इस मैप को ज़ूम करके देख सकते हैं कि नीचे दी गई लिस्ट में नहीं दी गई दूसरी जगहों पर ग्रहण दिख रहा है या नहीं।

प्राचीन भारत की ४५०+ जगहों का समय नीचे दी गई टेबल में दिया गया है। जिन जगहों पर ग्रहण नहीं दिख रहा है (जैसे मुंबई) वहाँ सिर्फ़ चंद्रोदय का समय दिया गया है।

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Andhra Pradesh				
Addanki	18:21	18:47	00:26	0.40
Adoni	18:32	18:47	00:15	0.23
Amalapuram	18:12	18:47	00:35	0.52
Amaravati	18:18	18:47	00:29	0.43
Amudalavalasa	18:03	18:47	00:44	0.64
Anakapalle	18:07	18:47	00:40	0.59

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Anantapur	18:31	18:47	00:16	0.24
Badvel	18:25	18:47	00:22	0.33
Bapatla	18:19	18:47	00:28	0.43
Bhimavaram	18:14	18:47	00:33	0.49
Bhimunipatnam	18:05	18:47	00:41	0.61
Bobbili	18:05	18:47	00:42	0.62
Chilakalurupet	18:20	18:47	00:27	0.41
Chimakurti	18:21	18:47	00:26	0.39
Chirala	18:19	18:47	00:28	0.42
Chittoor	18:25	18:47	00:21	0.33
Dharmavaram	18:31	18:47	00:16	0.25
Ellore	18:16	18:47	00:31	0.47
Emmiganur	18:31	18:47	00:16	0.24
Giddalur	18:25	18:47	00:22	0.33
Gudivada	18:16	18:47	00:31	0.46
Guntakal	18:32	18:47	00:15	0.23
Guntur	18:19	18:47	00:28	0.43
Hindupur	18:32	18:47	00:15	0.23
Jammalamadugu	18:28	18:47	00:19	0.29
Kadapa	18:26	18:47	00:21	0.32
Kadiri	18:29	18:47	00:18	0.28
Kakinada	18:11	18:47	00:36	0.54
Kandukur	18:21	18:47	00:26	0.39
Kavali	18:21	18:47	00:26	0.39
Koilkuntla	18:28	18:47	00:19	0.29
Kovvur	18:13	18:47	00:34	0.51
Kurnool	18:29	18:47	00:18	0.28
Macherla	18:23	18:47	00:24	0.37
Machilipatnam	18:16	18:47	00:31	0.47
Madanapalle	18:28	18:47	00:19	0.29
Mandapeta	18:12	18:47	00:35	0.52
Mangalagiri	18:18	18:47	00:29	0.44
Markapur	18:24	18:47	00:23	0.35
Nagari	18:23	18:47	00:23	0.36
Nandyal	18:27	18:47	00:20	0.30
Narasannapeta	18:03	18:47	00:44	0.65
Narasapur	18:13	18:47	00:33	0.50

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Narasaraopet	18:20	18:47	00:27	0.40
Nellore	18:21	18:47	00:25	0.39
Nidadavole	18:13	18:47	00:34	0.50
Ongole	18:21	18:47	00:26	0.40
Palakollu	18:13	18:47	00:34	0.51
Palamaneru	18:27	18:47	00:20	0.31
Pamidi	18:31	18:47	00:16	0.25
Pedana	18:16	18:47	00:31	0.47
Pithapuram	18:11	18:47	00:36	0.54
Ponnuru	18:18	18:47	00:29	0.43
Proddatur	18:27	18:47	00:20	0.30
Pulivendla	18:29	18:47	00:18	0.28
Punganuru	18:28	18:47	00:19	0.30
Puttur	18:24	18:47	00:23	0.36
Rajamahendravaram	18:13	18:47	00:34	0.51
Rayachoti	18:27	18:47	00:20	0.31
Repalle	18:17	18:47	00:30	0.45
Samalkot	18:11	18:47	00:36	0.53
Sattenapalle	18:20	18:47	00:27	0.41
Srikakulam	18:03	18:47	00:44	0.64
Tadepalle	18:18	18:47	00:29	0.44
Tadepallegudem	18:14	18:47	00:33	0.49
Tadpatri	18:29	18:47	00:18	0.27
Tanuku	18:13	18:47	00:34	0.51
Tenali	18:18	18:47	00:29	0.44
Tirupati	18:24	18:47	00:23	0.35
Tuni	18:09	18:47	00:37	0.56
Venkatagiri	18:23	18:47	00:24	0.36
Vijayawada	18:18	18:47	00:29	0.44
Vinukonda	18:22	18:47	00:25	0.38
Vishakhapatnam	18:06	18:47	00:41	0.60
Vizianagaram	18:05	18:47	00:41	0.61
Arunachal Pradesh				
Itanagar	17:18	18:47	01:28	1.11
Assam				
Dibrugarh	17:13	18:47	01:34	1.14
Dispur	17:27	18:47	01:20	1.05

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Gauripur	17:34	18:47	01:13	0.99
Guwahati	17:27	18:47	01:20	1.05
Jorhat	17:16	18:47	01:31	1.12
Silchar	17:23	18:47	01:24	1.08
Tezpur	17:22	18:47	01:25	1.09
Bihar				
Aurangabad	17:58	18:47	00:49	0.71
Begusarai	17:51	18:47	00:56	0.81
Bhagalpur	17:47	18:47	01:00	0.85
Deo	17:58	18:47	00:49	0.71
Gaya	17:55	18:47	00:51	0.74
Muzaffarpur	17:53	18:47	00:54	0.77
Patna	17:55	18:47	00:52	0.76
Purnea	17:45	18:47	01:02	0.87
Rajgir	17:54	18:47	00:53	0.77
Saharsa	17:48	18:47	00:58	0.83
Chandigarh				
Chandigarh	18:27	18:47	00:20	0.31
Chhattisgarh				
Bhilai	18:12	18:47	00:35	0.52
Bilaspur	18:09	18:47	00:38	0.56
Durg	18:13	18:47	00:34	0.51
Raipur	18:11	18:47	00:36	0.53
Dadra, Nagar Haveli, Daman and Diu				
Daman	18:48	—	—	—
Delhi				
New Delhi	18:26	18:47	00:21	0.32
Goa				
Curchorem	18:45	18:47	00:01	0.03
Panaji	18:46	18:47	00:00	0.01
Gujarat				
Ahmedabad	18:48	—	—	—
Bhavnagar	18:50	—	—	—
Bhuj	18:59	—	—	—
Daman	18:48	—	—	—
Dholka	18:49	—	—	—
Dwarka	19:03	—	—	—

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Gandhinagar	18:48	—	—	—
Godhra	18:44	18:47	00:03	0.05
Jamnagar	18:59	—	—	—
Jasdan	18:54	—	—	—
Khambhat	18:48	—	—	—
Khed Brahma	18:46	18:47	00:01	0.03
Mahesana	18:49	—	—	—
Nandod	18:45	18:47	00:02	0.04
Navsari	18:48	—	—	—
Porbandar	19:01	—	—	—
Rajkot	18:56	—	—	—
Sihor	18:51	—	—	—
Surat	18:48	—	—	—
Vadodara	18:46	18:47	00:01	0.02
Haryana				
Ambala	18:27	18:47	00:20	0.31
Bhiwani	18:30	18:47	00:16	0.26
Faridabad	18:26	18:47	00:21	0.33
Gurgaon	18:27	18:47	00:20	0.31
Hisar	18:32	18:47	00:15	0.23
Karnal	18:26	18:47	00:20	0.31
Panchkula	18:26	18:47	00:20	0.31
Panipat	18:27	18:47	00:20	0.31
Rohtak	18:28	18:47	00:18	0.28
Sirsa	18:35	18:47	00:12	0.19
Sonipat	18:27	18:47	00:20	0.31
Himachal Pradesh				
Shimla	18:25	18:47	00:22	0.34
Solan	18:25	18:47	00:22	0.33
Jammu and Kashmir				
Bandipura	18:33	18:47	00:13	0.21
Baramula	18:35	18:47	00:12	0.19
Gilgit	18:34	18:47	00:13	0.20
Handwara	18:35	18:47	00:12	0.19
Jammu	18:34	18:47	00:13	0.21
Kulgam	18:32	18:47	00:14	0.23
Mirpur	18:38	18:47	00:09	0.14

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Muzaffarabad	18:38	18:47	00:08	0.14
Rajaori	18:35	18:47	00:11	0.18
Skardu	18:29	18:47	00:18	0.28
Sopur	18:34	18:47	00:13	0.20
Srinagar	18:33	18:47	00:14	0.22
Udhampur	18:32	18:47	00:15	0.23
Jharkhand				
Chakradharpur	17:54	18:47	00:53	0.76
Dhanbad	17:50	18:47	00:57	0.81
Jamshedpur	17:52	18:47	00:55	0.79
Ranchi	17:55	18:47	00:52	0.75
Karnataka				
Belgaum	18:43	18:47	00:03	0.06
Bellary	18:34	18:47	00:13	0.21
Bengaluru	18:32	18:47	00:15	0.23
Bidar	18:30	18:47	00:17	0.26
Bijapur	18:38	18:47	00:09	0.14
Channarayapatna	18:37	18:47	00:10	0.16
Davangere	18:38	18:47	00:09	0.14
Gulbarga	18:33	18:47	00:14	0.22
Hassan	18:38	18:47	00:09	0.14
Hospet	18:36	18:47	00:11	0.17
Hubli	18:41	18:47	00:06	0.10
Kolar	18:30	18:47	00:17	0.27
Mandya	18:35	18:47	00:12	0.19
Mangaluru	18:43	18:47	00:04	0.06
Mysore	18:36	18:47	00:11	0.17
Raichur	18:31	18:47	00:15	0.24
Shimoga	18:40	18:47	00:07	0.11
Shrirangapattana	18:36	18:47	00:11	0.17
Tumkur	18:34	18:47	00:13	0.21
Udipi	18:43	18:47	00:03	0.06
Kerala				
Alappuzha	18:38	18:47	00:08	0.13
Angamali	18:38	18:47	00:09	0.14
Kochi	18:39	18:47	00:08	0.13
Kollam	18:38	18:47	00:09	0.14

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Kozhikode	18:40	18:47	00:07	0.11
Palakkad	18:37	18:47	00:10	0.16
Pathanamthitta	18:37	18:47	00:10	0.16
Thrissur	18:39	18:47	00:08	0.13
Tiruvanantapuram	18:37	18:47	00:10	0.16
Ladakh				
Leh	18:21	18:47	00:25	0.39
Madhya Pradesh				
Bhopal	18:28	18:47	00:19	0.29
Burhanpur	18:34	18:47	00:13	0.20
Gwalior	18:23	18:47	00:24	0.36
Indore	18:35	18:47	00:12	0.19
Jabalpur	18:17	18:47	00:29	0.44
Khajuraho	18:17	18:47	00:30	0.46
Maihar	18:13	18:47	00:33	0.50
Mandsaur	18:37	18:47	00:10	0.15
Ratlam	18:38	18:47	00:09	0.15
Sannai	18:13	18:47	00:34	0.50
Saugor	18:22	18:47	00:25	0.38
Ujjain	18:35	18:47	00:12	0.19
Umaria	18:13	18:47	00:33	0.50
Vidisha	18:26	18:47	00:21	0.32
Maharashtra				
Ahilyanagar	18:41	18:47	00:06	0.10
Akola	18:31	18:47	00:16	0.25
Amravati	18:28	18:47	00:19	0.30
Bhayandar	18:49	—	—	—
Bhiwandi	18:48	—	—	—
Bhusaval	18:36	18:47	00:11	0.18
Chanda	18:22	18:47	00:25	0.38
Chinchvad	18:45	18:47	00:02	0.04
Dharashiv	18:36	18:47	00:11	0.17
Dhulia	18:40	18:47	00:07	0.11
Ichalkaranji	18:43	18:47	00:04	0.06
Jalgaon	18:37	18:47	00:10	0.16
Junnar	18:44	18:47	00:02	0.04
Kalyan	18:47	—	—	—

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Kolhapur	18:44	18:47	00:03	0.05
Latur	18:34	18:47	00:13	0.21
Malegaon	18:41	18:47	00:06	0.10
Mumbai	18:49	—	—	—
Nagpur	18:22	18:47	00:25	0.38
Nanded	18:30	18:47	00:17	0.26
Nasik	18:44	18:47	00:02	0.04
Parbhani	18:32	18:47	00:14	0.22
Pune	18:45	18:47	00:02	0.04
Sambhajinagar	18:38	18:47	00:09	0.14
Sangli	18:43	18:47	00:04	0.07
Solapur	18:37	18:47	00:10	0.16
Thane	18:48	—	—	—
Ulhasnagar	18:47	—	—	—
Uran	18:48	—	—	—
Yavatmal	18:26	18:47	00:21	0.32
Manipur				
Imphal	17:18	18:47	01:29	1.11
Meghalaya				
Shillong	17:27	18:47	01:20	1.05
Mizoram				
Aizawl	17:24	18:47	01:23	1.07
Nagaland				
Kohima	17:17	18:47	01:30	1.12
Orissa				
Bhubaneshwar	17:54	18:47	00:52	0.76
Brahmapur	17:59	18:47	00:48	0.70
Cuttack	17:54	18:47	00:53	0.76
Jatani	17:55	18:47	00:52	0.75
Puri	17:55	18:47	00:52	0.75
Raurkela	17:57	18:47	00:49	0.72
Sambalpur	18:01	18:47	00:45	0.67
Puducherry				
Puducherry	18:23	18:47	00:24	0.36
Punjab				
Abohar	18:37	18:47	00:09	0.15
Amritsar	18:34	18:47	00:13	0.20

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Haripur	18:30	18:47	00:17	0.27
Jalandhar	18:31	18:47	00:16	0.24
Ludhiana	18:30	18:47	00:16	0.25
Malaut	18:36	18:47	00:10	0.16
Mauli	18:27	18:47	00:20	0.31
Pathankot	18:30	18:47	00:16	0.25
Patiala	18:28	18:47	00:18	0.28
Rajasthan				
Abu	18:47	18:47	00:00	0.01
Ajmer	18:38	18:47	00:09	0.14
Alwar	18:29	18:47	00:18	0.28
Bharatpur	18:26	18:47	00:21	0.33
Bhilwara	18:38	18:47	00:08	0.14
Bikaner	18:42	18:47	00:04	0.07
Chittaurgarh	18:39	18:47	00:08	0.13
Jaipur	18:32	18:47	00:14	0.22
Jaisalmer	18:53	—	—	—
Jalor	18:47	18:47	00:00	0.01
Jodhpur	18:45	18:47	00:02	0.04
Kota	18:33	18:47	00:13	0.21
Pali	18:44	18:47	00:03	0.06
Sikar	18:35	18:47	00:12	0.18
Tonk	18:33	18:47	00:14	0.21
Udaipur	18:43	18:47	00:04	0.07
Sikkim				
Gangtok	17:39	18:47	01:08	0.94
Tamil Nadu				
Ariyalur	18:27	18:47	00:20	0.31
Chengalpattu	18:22	18:47	00:25	0.38
Chennai	18:21	18:47	00:26	0.40
Dharmapuri	18:30	18:47	00:17	0.26
Dindukkal	18:32	18:47	00:15	0.24
Erode	18:32	18:47	00:15	0.23
Kadalur (Cuddalore)	18:23	18:47	00:23	0.36
Kallakurichi	18:27	18:47	00:20	0.31
Kanchipuram	18:23	18:47	00:24	0.36
Karur	18:31	18:47	00:16	0.25

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Kodaikanal	18:34	18:47	00:13	0.21
Kovai (Coimbatore)	18:35	18:47	00:11	0.18
Krishnagiri	18:29	18:47	00:17	0.27
Kumbakonam	18:25	18:47	00:22	0.33
Madurai	18:31	18:47	00:16	0.25
Mayiladuthurai	18:24	18:47	00:23	0.35
Nagapattinam	18:24	18:47	00:23	0.36
Nagarkovil	18:35	18:47	00:12	0.19
Namakkal	18:30	18:47	00:17	0.26
Perambalur	18:27	18:47	00:20	0.30
Pudukkottai	18:28	18:47	00:19	0.29
Rajapalaiyam	18:33	18:47	00:13	0.21
Ramanathapuram	18:28	18:47	00:19	0.29
Rameswaram	18:26	18:47	00:20	0.31
Ranipettai	18:25	18:47	00:22	0.34
Salem	18:30	18:47	00:17	0.26
Sivagangai	18:30	18:47	00:17	0.27
Thanjavur	18:26	18:47	00:20	0.31
Theni	18:34	18:47	00:13	0.21
Thenkasi	18:35	18:47	00:12	0.19
Thoothukudi	18:31	18:47	00:15	0.24
Tiruchirapalli	18:28	18:47	00:19	0.29
Tirunelveli	18:33	18:47	00:14	0.21
Tiruppattur	18:28	18:47	00:19	0.29
Tiruppur	18:34	18:47	00:13	0.21
Tiruvallur	18:22	18:47	00:25	0.38
Tiruvannamalai	18:26	18:47	00:21	0.32
Tiruvarur	18:24	18:47	00:22	0.34
Udhagamandalam (Ooty)	18:36	18:47	00:11	0.17
Valparai	18:36	18:47	00:11	0.18
Vellore	18:25	18:47	00:21	0.33
Virudhunagar	18:32	18:47	00:15	0.23
Vizhuppuram	18:24	18:47	00:22	0.34
Telangana				
Adilabad	18:25	18:47	00:22	0.34
Armur	18:26	18:47	00:20	0.31
Belampalli	18:21	18:47	00:26	0.39

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Bhagyanagaram (Hyderabad)	18:26	18:47	00:21	0.32
Bhainsa	18:28	18:47	00:19	0.30
Bodhan	18:28	18:47	00:19	0.29
Bodupal	18:26	18:47	00:21	0.32
Devarkonda	18:25	18:47	00:22	0.34
Gadwal	18:30	18:47	00:17	0.27
Jaggayyapeta	18:20	18:47	00:27	0.41
Jagtial	18:24	18:47	00:23	0.35
Jangaon	18:23	18:47	00:24	0.36
Kagaznagar	18:21	18:47	00:26	0.39
Kamareddipet	18:26	18:47	00:21	0.32
Karimnagar	18:23	18:47	00:24	0.36
Khammam	18:19	18:47	00:27	0.42
Koratla	18:25	18:47	00:22	0.34
Kothapet	18:21	18:47	00:26	0.39
Kottagudem	18:17	18:47	00:30	0.45
Mahbubnagar	18:29	18:47	00:18	0.28
Mancheral	18:21	18:47	00:25	0.39
Mandamari	18:21	18:47	00:26	0.39
Mangur	18:16	18:47	00:31	0.46
Metpalli	18:25	18:47	00:22	0.33
Nalgonda	18:23	18:47	00:24	0.36
Nizamabad	18:27	18:47	00:20	0.30
Palwancha	18:17	18:47	00:30	0.45
Ramagundam	18:22	18:47	00:25	0.39
Sirsilla	18:24	18:47	00:23	0.34
Suriapet	18:22	18:47	00:25	0.38
Vikarabad	18:29	18:47	00:18	0.28
Wanaparti	18:28	18:47	00:18	0.28
Warangal	18:21	18:47	00:26	0.39
Yellandu	18:18	18:47	00:28	0.43
Tripura				
Agartala	17:30	18:47	01:17	1.03
Uttar Pradesh				
Agra	18:23	18:47	00:23	0.36
Aligarh	18:23	18:47	00:24	0.37
Ayodhya	18:06	18:47	00:41	0.60

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Bahraigh	18:08	18:47	00:39	0.58
Bareilly	18:17	18:47	00:30	0.45
Budaun	18:18	18:47	00:28	0.43
Bulandshahr	18:23	18:47	00:23	0.36
Etawah	18:19	18:47	00:27	0.42
Fatehpur	18:12	18:47	00:34	0.51
Fatehpur Sikri	18:25	18:47	00:22	0.34
Firozabad	18:22	18:47	00:25	0.38
Ghaziabad	18:25	18:47	00:22	0.33
Gorakhpur	18:01	18:47	00:46	0.67
Hapur	18:24	18:47	00:23	0.35
Hathras	18:23	18:47	00:24	0.36
Jaunpur	18:05	18:47	00:42	0.62
Jhansi	18:22	18:47	00:25	0.38
Kairana	18:26	18:47	00:21	0.33
Kanpur	18:14	18:47	00:33	0.49
Lakhnau (Lucknow)	18:11	18:47	00:35	0.53
Mathura	18:25	18:47	00:22	0.34
Meerut	18:24	18:47	00:23	0.35
Mirzapur	18:05	18:47	00:41	0.61
Moradabad	18:19	18:47	00:27	0.42
Muzaffarnagar	18:23	18:47	00:23	0.36
Pilibhit	18:15	18:47	00:32	0.48
Prayagraj	18:08	18:47	00:38	0.57
Rampur	18:18	18:47	00:29	0.43
Saharanpur	18:24	18:47	00:23	0.35
Sambhal	18:20	18:47	00:26	0.40
Shahjanpur	18:15	18:47	00:32	0.48
Sitalpur	18:12	18:47	00:35	0.52
Varanasi	18:04	18:47	00:43	0.64
Vrindavan	18:24	18:47	00:22	0.34
Uttarakhand				
Dehradun	18:22	18:47	00:25	0.38
Naini Tal	18:16	18:47	00:31	0.46
West Bengal				
Alipur Duar	17:36	18:47	01:11	0.97
Asansol	17:48	18:47	00:59	0.84

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Baharampur	17:42	18:47	01:04	0.90
Baidyabati	17:43	18:47	01:04	0.90
Bali	17:43	18:47	01:04	0.90
Balurghat	17:40	18:47	01:07	0.93
Bangaon	17:41	18:47	01:06	0.92
Bankura	17:48	18:47	00:59	0.84
Bansbaria	17:42	18:47	01:04	0.90
Barasat	17:42	18:47	01:04	0.90
Barddhaman	17:44	18:47	01:02	0.88
Basirhat	17:40	18:47	01:06	0.92
Bhadreswar	17:43	18:47	01:04	0.90
Bhatpara	17:42	18:47	01:05	0.90
Champdani	17:43	18:47	01:04	0.90
Chandannagar	17:42	18:47	01:04	0.90
Dam Dam	17:42	18:47	01:04	0.90
Darjeeling	17:41	18:47	01:06	0.92
Durgapur	17:47	18:47	01:00	0.85
Habra	17:41	18:47	01:05	0.91
Haldia	17:44	18:47	01:03	0.88
Halisahar	17:42	18:47	01:05	0.90
Haora	17:43	18:47	01:04	0.90
Hugli	17:42	18:47	01:04	0.90
Ingraj Bazar	17:42	18:47	01:04	0.90
Jalpaiguri	17:39	18:47	01:08	0.94
Jamuria	17:47	18:47	00:59	0.84
Jaynagar-Majilpur	17:43	18:47	01:04	0.90
Kalyani	17:42	18:47	01:05	0.90
Kamarhati	17:43	18:47	01:04	0.90
Kanchrapara	17:42	18:47	01:05	0.90
Kharagpur	17:47	18:47	01:00	0.85
Khardah	17:43	18:47	01:04	0.90
Kolkata	17:43	18:47	01:04	0.90
Krishnanagar	17:42	18:47	01:05	0.91
Kulti	17:48	18:47	00:58	0.83
Madhyamgram	17:42	18:47	01:05	0.90
Medinipur	17:47	18:47	01:00	0.85
Naihati	17:42	18:47	01:05	0.90

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Navadwip	17:42	18:47	01:05	0.90
Panihati	17:43	18:47	01:04	0.90
Raiganj	17:42	18:47	01:05	0.90
Rishra	17:43	18:47	01:04	0.90
Shantipur	17:42	18:47	01:05	0.91
Shiliguri	17:40	18:47	01:07	0.92
Shrirampur	17:43	18:47	01:04	0.90
Titagarh	17:43	18:47	01:04	0.90
Uluberiya	17:44	18:47	01:03	0.89
East Bengal				
Chattogram (Chittagong)	17:28	18:47	01:18	1.04
Dhaka	17:34	18:47	01:13	0.99
Sylhet	17:27	18:47	01:20	1.05
Bhutan				
Thimphu	17:35	18:47	01:12	0.98
Nepal				
Biratnagar	17:45	18:47	01:02	0.87
Birgunj	17:55	18:47	00:52	0.75
Butwal	18:00	18:47	00:46	0.68
Dhangadhi	18:12	18:47	00:35	0.52
Janakpur	17:51	18:47	00:56	0.80
Kathmandu	17:53	18:47	00:54	0.78
Lalitpur	17:53	18:47	00:54	0.78
Nepalgunj	18:08	18:47	00:39	0.58
Pokhara	17:58	18:47	00:49	0.71
Gandhara				
Charsadda	18:46	18:47	00:01	0.02
Peshawar	18:47	18:47	00:00	0.01
Takshashila	18:42	18:47	00:05	0.09
Western Punjab				
Lahore (Lavapura)	18:36	18:47	00:10	0.17
Multan (Mulasthana)	18:49	—	—	—
Sindh				
Hyderabad	19:04	—	—	—
Karachi	19:10	—	—	—
Larkana	19:04	—	—	—

Sthala	Chan-drodaya	Moksha	Punya Kala	Pari-mana
Sukkur	19:01	—	—	—
Baluchistan				
Gwadar	19:30	—	—	—
Quetta	19:08	—	—	—
Hinglaj Mata	19:21	—	—	—